

का. प्र. पत्र संख्या २०००/२०००

पेशवा 

28.12.22

पनाकलीपेशा करीब वारी कुरुपरीपन है समय
 ३.५५ प.म को रहा है, काकाल लगाव है मई,
 इलजा (विना), पुनः काकाल लगाव है मई।
 जा-जा काकाल लगावने पर भी क नों
 काठिगाठ स्वयं क भी इनके इलापिकला
 इलापिकल है, कालः काद काकाल लगी काद
 पेशा की काठि विना जाना है, पनाकली
 काल इलाप की जाद बाद नकली काठि

दपेशवा 

